

मृग-कानन पुं. (तत्.) 1. उद्यान, बाग 2. वह जंगल जिसमें शिकार के लिए अनेक जानवर हों।

मृग-चर्म पुं. (तत्.) हिरण की खाल, मृगछाल, आसन के रूप में बिछाई जाने वाली हिरण की खाल।

मृगचेटक पुं. (तत्.) मुश्क बिलाव, गंध बिलाव।

मृगछाला स्त्री. (तत्.+तद्.) दे. मृग चर्म।

मृगछौना पुं. (तत्.+तद्.) मृग शावक, हिरण का बच्चा।

मृग-जल पुं. (तत्.) मृग तृष्णा, मृग मरीचिका।

मृगजा स्त्री. (तत्.) कस्तूरी, मृगनाभि।

मृगजालिक स्त्री. (तत्.) हिरण पकड़ने या हिरण फंसाने के लिए प्रयुक्त जाल, मृग बंधिनी।

मृगजीवन पुं. (तत्.) शिकारी, व्याध, आखेटक।

मृगणा क्रि. (तत्.) खोज या अनुसंधान करना 2. जांच करना।

मृगतृषा स्त्री. (तत्.) मृगतृष्णा, मृगमरीचिका, मृग-तृष्णिका, ऐसी तृष्णा जिसकी पूर्ति असंभव हो।

मृगदंशक पुं. (तत्.) मृग को काटने वाला, कुत्ता, श्वान।

मृगदाव पुं. (तत्.) 1. मृग-कानन, जिस वन में बहुत से मृग हों 2. काशी के सारनाथ नामक तीर्थ के समीपी जंगल का पुराना नाम।

मृगधर पुं. (तत्.) मृग या मृगांक को धारण करने वाला अर्थात् चन्द्रमा।

मृगधूर्त पुं. (तत्.) सियार, श्रृगाल।

मृगनयन वि. (तत्.) हिरण की जैसी सुंदर आंखों वाला, मृगाक्ष, मृग-नेत्र।

मृगनाथ पुं. (तत्.) सिंह, शेर, व्याघ्र।

मृगनाभि पुं. (तत्.) कस्तूरी, मृग नाभिजा।

मृगनेत्रा स्त्री. (तत्.) जिस राशि में मृग नक्षत्र हो, मृगशिरा नक्षत्र युक्त रात्रि।

मृग-नैन वि. (तत्.+तद्.) दे. मृग नयन।

मृगपति पुं. (तत्.) सिंह, शेर, मृगनाथ।

मृगप्रिय पुं. (तत्.) 1. एक भूतृण 2. जल- कदली।

मृगमद पुं. (तत्.) कस्तूरी, मृगनाभि, मृगनाभिजा, मृगमदा।

मृग-मरीचिका स्त्री. (तत्.) 1. मृगतृष्णा, रेगिस्तान में तेज धूप में बालू के कणों की चमक से उत्पन्न होने वाली भ्रान्ति जिसमें मृग आदि पशुओं को ऐसा लगता है कि वहां पर जल है, मृगजल, मृगवारि 2. लाक्ष. अवास्तविक पदार्थ या विचार।

मृगमित्र पुं. (तत्.) चन्द्रमा, शशि।

मृगमुख पुं. (तत्.) ज्योतिष में बारह राशियों में से दसवीं राशि, मकर।

मृगमेह पुं. (तत्.) मृगमद, कस्तूरी।

मृगम्मद पुं. (तत्.) मृगमद, कस्तूरी।

मृगया स्त्री. (तत्.) 1. आखेट, शिकार 2. जंगली पशुओं के आखेट के लिए वन-गमन।

मृगयू पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा 2. व्याध, शिकारी 3. गीदड़ 4. सियार।

मृगयूथ पुं. (तत्.) हिरणों का झुंड, हिरण दल।

मृगरसा स्त्री. (तत्.) सहदेई नामक पौधा, सहदेवी, महाबला।

मृगराज पुं. (तत्.) सिंह, शेर, केसरी।

मृगरोग पुं. (तत्.) पशुओं विशेषकर घोड़ों में होने वाला एक रोग जिसमें उनके नथुनों में सूजन आ जाती है।

मृगरोम पुं. (तत्.) पशुओं का ऊन, ऊर्ण।

मृगरोमज पुं. (तत्.) ऊनी वस्त्र, ऊनी कपड़ा।

मृग-लांछन पुं. (तत्.) मृगांक जिसमें मृग का चिह्न या लांछन हो अर्थात् चंद्रमा।

मृगलेखा स्त्री. (तत्.) चंद्रमा में मृग का चिह्न, मृगांक।

मृगलोचन वि. (तत्.) मृग या हिरण के समान सुंदर नेत्रों वाला, मृग-नैन।